शोध एवं विकास प्रकोष्ठ

महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिहार

के तत्वावधान में आयोजित

एक दिवसीय राष्ट्रीय ई-संगोष्ठी

विषय - संत साहित्य : सामाजिक एवं सांस्कृतिक सन्दर्भ

दिनांक - 13 जुलाई, 2020 सोमवार, समय : प्रातः 10 बजे से 1 बजे तक

अध्यक्ष

प्रो. संजीव कुमार शर्मा
माननीय कुलपति,
महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, बिहार

बीज वक्तव्य

प्रो. कुलदीप चन्द्र अग्निहोत्री
कुलपति,
हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय

मुख्य अतिथि

डॉ. कृष्ण गोपाल जी
मा. सह सर कार्यवाह
राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

मुख्य वक्ता
प्रो. सदानन्द गुप्त
अध्यक्ष
उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ

विशिष्ट वक्ता
प्रो. चन्दन चौबे
हिन्दी विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय

पंजीकरण के लिए निम्न लिंक पर स्पर्श करें :

https://forms.gle/6CaqxKee3hMqoN7v8

Scan QR Code for Link

संयोजक
श्री श्यामनन्दन
(सहायक प्राध्यापक)
9453154515

सह-संयोजक
डॉ. आशा मीणा
(सहायक प्राध्यापक)
9013689766

LIVE
https://www.facebook.com/MGCUB2016/

शोध एवं विकास प्रकोष्ठ
महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिहार

के तत्वावधान में आयोजित

एक दिवसीय राष्ट्रीय ई-संगोष्ठी

विषय - संत साहित्य : सामाजिक एवं सांस्कृतिक सन्दर्भ

दिनांक - 13 जुलाई, 2020 सोमवार, समय : प्रातः 10 बजे से 1 बजे तक

मध्यकालीन भारतीय सांस्कृतिक जागरण में संत साहित्य की महत्त्वपूर्ण भूमिका है। संत साहित्य इस सांस्कृतिक जागरण का वाहक भी है और इसकी उपलब्धि भी। तत्कालीन राजनीति के कारण, जो सांस्कृतिक विच्छेद समाज-जीवन में निर्मित हो रहा था, उस विच्छेद को संतों की वाणी ने न केवल समाप्त कर दिया, बल्कि राजनीतिक पराजय और हताशा के युग में भी सम्पूर्ण भारतवर्ष को अदम्य जीवनी शक्ति और उत्साह से परिचालित कर दिया। संतों ने लोकभाषाओं के माध्यम से 'भक्ति के लोकवृत्त' का निर्माण किया, जिसके केंद्र में मनुष्य मात्र की समानता, मूल्याधारित समाज-व्यवस्था और श्रमजीवी साधुता है। संत कवियों की तत्कालीन राजसत्ता और लोक दोनों पर गहरी पकड़ है। यह स्थिति बहुत बाद तक दिखाई पड़ती है। दरिया साहब की मीर कासिम पर गहरी पकड़ है, तो महामति प्राणनाथ की छत्रसाल पर। संतों ने धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए योद्धा परम्परा का भी प्रारम्भ किया, जिसका सर्वोत्कृष्ट रूप सिक्ख सम्प्रदाय के रूप में दिखाई पड़ता है। संत-साहित्य महज हमारे अतीत के ही नहीं बल्कि हमारे जीवन में आज भी उपस्थित है। सामाजिक-सांस्कृतिक आंदोलनों और जीवन के विविध प्रसंगों में हमें भक्त कवि याद आते रहे हैं और हम अपने प्रश्नों और अपनी जिज्ञासाओं के समाधान के लिए बार-बार उनकी तरफ देखते रहे हैं।

आज जब वैश्विक महामारी ने हमारे समक्ष एक भीषण संकट उपस्थित कर दिया है, तब संत साहित्य का स्मरण स्वाभाविक भी है और आवश्यक भी। महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिहार द्वारा **'संत साहित्य : सामाजिक एवं सांस्कृतिक सन्दर्भ'** विषय पर आयोजित यह राष्ट्रीय ई-संगोष्ठी न केवल संत साहित्य के विविध पक्षों पर विचार की दृष्टि से अकादमिक अध्येताओं के लिए महत्त्वपूर्ण होगी वरन् इस संकट के दौर में जिजीविषा और उत्साह बनाये रखने में भी अपनी भूमिका का निर्वहन करेगी। इसी आशा और विश्वास के साथ इस राष्ट्रीय ई-संगोष्ठी में आप सभी सादर आमंत्रित हैं।

अध्यक्ष
प्रो. संजीव कुमार शर्मा
माननीय कुलपति,
महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, बिहार

मुख्य अतिथि
डॉ. कृष्ण गोपाल जी
मा. सह सर कार्यवाह
राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

बीज वक्तव्य
प्रो. कुलदीप चन्द्र अग्निहोत्री
कुलपति,
हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय

मुख्य वक्ता
प्रो. सदानन्द गुप्त
अध्यक्ष
उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ

विशिष्ट वक्ता
प्रो. चन्दन चौबे
हिन्दी विभाग
दिल्ली विश्वविद्यालय

LIVE
https://www.facebook.com/MGCUB2016/

संरक्षक समिति

प्रो. राजीव कुमार
अधिष्ठाता
समाजविज्ञान संकाय

प्रो. अरुण भगत
अधिष्ठाता
कम्प्यूटेशनल विज्ञान, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी संकाय

प्रो. पवनेश कुमार
अधिष्ठाता
वाणिज्य और प्रबंधन संकाय

प्रो. राजेन्द्र सिंह
अधिष्ठाता
मानविकी और भाषा संकाय

Scan QR Code for Link

आयोजन समिति

प्रो. त्रिलोचन शर्मा
आचार्य एवं अध्यक्ष, वाणिज्य विभाग

डॉ. अंजनी कुमार श्रीवास्तव
सह-आचार्य आचार्य, हिन्दी विभाग

डॉ. प्रशान्त कुमार
सह-आचार्य, मीडिया अध्ययन विभाग

डॉ. नरेन्द्र कुमार आर्या
सह-आचार्य , राजनीति विज्ञान विभाग

डॉ आलोक श्रीवास्तव
सहायक आचार्य, वनस्पति विज्ञान विभाग

डॉ सुनील दीपक घोडके
सहायक आचार्य, मीडिया अध्ययन विभाग

डॉ. नरेन्द्र सिंह
सहायक आचार्य, राजनीति विज्ञान विभाग

डॉ. अम्बिकेश त्रिपाठी
सहायक आचार्य, गांधीवाद और शांति अध्ययन विभाग

पंजीकरण के लिए निम्न लिंक पर स्पर्श करें :

https://forms.gle/6CaqxKee3hMqoN7v8

नोट- पंजीकृत प्रतिभागियों को प्रतिपुष्टि (फीडबैक) के पश्चात् प्रमाण-पत्र दिया जाएगा।

संयोजक
श्री श्यामनन्दन
(सहायक प्राध्यापक)
9453154515

सह-संयोजक
डॉ. आशा मीणा
(सहायक प्राध्यापक)
9013689766